

**अमांस** वि. (तत्.) मांसहीन व्यक्ति, क्षीणकाय, दुर्बल पुं. मांसेतर वस्तु, मांस के अतिरिक्त अन्य वस्तु।

**अमाँ** (अर.) उर्दू भाषा में बहुधा प्रयुक्त संबोधनात्मक शब्द 'ओ मियाँ' का संक्षेप ('अरे' अर्थ में)।

**अमाँठी** पुं. (तद्) ऐसा चूर्ण जो आम की गुठलियों के गूदे को पीसकर बनाया गया हो।

**अमा स्त्री.** (तत्.) 1. अमावस्या 2. चंद्रमा की सोलहवीं कला।

**अमातृक** वि. (तत्.) जिसकी माँ न हो, मातृ विहीन।

**अमात्य** पुं. (तत्.) मंत्री, वजीर, दीवान।

**अमात्रिक** वि. (तत्.) (वह छंद) जिसके शब्दों के स्वर की मात्रा न हो।

**अमान** वि. (तत्.) 1. जिसका मान या अंदाज न हो सके, अपरिमित 2. मान-रहित पुं. (अर.) रक्षा, बचाव, शरण, पनाह।

**अमानक** वि. (तत्.) जो मानक या स्तरीय न हो।

**अमानत स्त्री.** (अर.) नियत समय के लिए किसी के पास सुरक्षा के लिए रखी गई वस्तु, धरोहर, थाती।

**अमानत खाना** पुं. (अर.) अमानत की वस्तुएँ रखने की विशेष जगह या कक्ष।

**अमानतदार** पुं. (अर.) धरोहर रखनेवाला, जिसके पास धरोहर रखी हो।

**अमानतनामा** पुं. (अर.) धरोहर रखने की प्राप्ति रसीद।

**अमानती** वि. (अर.) अमानत या धरोहर से संबंधित।

**अमानती सामान** घर पुं. (अर.तद्.) (परिवहन) वह कमरा जहाँ यात्री या अतिथि अपना सामान कुछ समय के लिए सुरक्षार्थ छोड़ सकते हैं, रेल-

बस प्रशासन इस सेवा हेतु मामूली सा शुल्क लेते हैं। cloak-room

**अमानवीय** वि. (तत्.) 1. मानवेतर, मानव स्वभाव के विपरीत 2. पाशविक।

**अमाना अ.क्रि.** (तद्) 1. सामंजस्य हो जाना, 2. अँटना, समाविष्ट होना।

**अमानित** वि. (तत्.) 1. असम्मानित 2. अमान्यीकृत।

**अमानिता स्त्री.** (तत्.) विनम्रता, गर्वहीनता।

**अमानित्व** पुं. (तत्.) दे. अमानिता।

**अमा निशा स्त्री.** (तत्.) 1. अमावस्या की रात 2. अँधेरी रात।

**अमानी स्त्री.** (तद्.) काम के समय के हिसाब से दी गई मजदूरी।

**अमानुष** वि. (तत्.) 1. मनुष्य से भिन्न 2. मानवेतर, अलौकिक 3. क्रूर या कठोर हृदयवाला पुं. (तत्.) 1. मनुष्य से भिन्न प्राणी 2. देव, राक्षस।

**अमानुषिक** वि. (तत्.) 1. अमानुषी, अमानवोचित 2. पैशाचिक 3. अलौकिक।

**अमानुषी** वि. (तत्.) 1. पैशाचिक, मानव-स्वभाव के विपरीत 2. अलौकिक।

**अमानुषीय** वि. (तत्.) 1. जो मनुष्य से संबंधित न हो 2. अलौकिक, मानवी शक्ति से परे।

**अमानुष्य** वि. (तत्.) दे. अमानुषीय।

**अमान्य** वि. (तत्.) 1. जो माना न गया हो, जो मान्य न हो, अस्वीकार्य।

**अमान्य गेंद स्त्री.** (तत्.) क्रिकेट अंपायर के निर्णयानुसार यदि गेंद को फेंकते समय अथवा गेंद हाथ से छूटते समय गेंदबाज का एक पाँव क्रीज रेखा के पीछे न रहे तो ऐसी गेंद अमान्य होती है और बल्लेबाजी करने वाली टीम के खाते में एक रन जुड़ जाता है और गेंदबाज को एक अतिरिक्त गेंद फेंकने को दी जाती है। no ball